

ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज ज़रा सी श्याम दया कर दे



ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
आजा अब तो बचा दे लाज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

तर्ज – तुम आए तो आया मुझे याद।

कैसे निकलूँ अपने घर से,
बादल की ज्युं नैना बरसे,
तुमसे कुछ न छुपा सरताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

इतने ग़म है सह ना पाऊँ,
तुमसे भी मैं कह ना पाऊँ,
मुख से निकले नहीं अल्फ़ाज़,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

सब कर्मों का लेखा जोखा,
मुझको ना तू देना धोखा,
तुझे 'जालान' कहे ये आज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
आजा अब तो बचा दे लाज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

गायक – राधे राधे पुजारी जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना बन्देख के पढ़ने और देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



94160-59499
भिवानी (हरियाणा)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>